(f) The following quarters are likely to be completed by December, 1978:—

Type I 690
Type II 632
Type III 806

सोया-दूध की बिक्री और मूल्य

4712. **श्री दयाराम शाक्य** : क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एक किलोग्राम सोयाबीन से 10 किलोग्राम सोया दूध तैयार होता है और यह दूध लोगों को 3 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेचा जाता है ;

(ख) यदि हां, तो उन डेरियों के नाम क्या हैं जो इस समय सोयाबीन का दूध बनाती तथा बेचती हैं तथा 1 क्विंटल सोयाबीन से दूध तैयार करने में कितना खर्च आता है; और

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार का विचार सोयाबीन से दूध तैयार करने तथा बेचने वाले अत्यधिक लाभ कमाने वाले लोगों के विरुद्ध कार्यवाही करने का है, और क्या सरकार का विचार सोयाबीन के दूध का मूल्य कम करने का है ?

कृषि और सिंचाई मन्त्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) और (ख). देश में कोई सरकारी डेरी सोया-दूध नहीं बना रही है। तथापि, गोविन्द बल्लभ पन्त विश्वविद्यालय, पन्त नगर में किए गये अनुसंधान कार्य से ज्ञात हुआ है कि एक किलोग्राम सोयाबीन से 10 किलोग्राम सोया-दूध तैयार किया जा सकता है और उत्पादन-लागत 2 रुपये प्रति किलोग्राम से कम बैठेगी। तथापि, कुछ प्राईवेट पार्टियां छोटे पैमाने पर सोया-दूध तैयार कर रही हैं और उनकी स्थानीय तौर पर बिक्री की जा रही है। देश में सोया-दूध का कोई संगठित उत्पादन नहीं होता है और सरकार इसके मूल्य को विनियमित नहीं कर रही है।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता।

राज्य की क्षारीय और लवणयुक्त भूमि क सुधार के लिए उत्तर प्रदेश के किसानों को केन्द्रीय सहायता

4713. **श्री दयाराम शाक्य** : क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 जून, 1977 के बाद उत्तर प्रदेश सरकार को क्षारीय और लवणयुक्त भूमि में सुधार के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई सहायता में से 3 हैक्टर से कम और 3 हैक्टेर से ज्यादा भूमि वाले किसानों को पृथक-पृथक दी गई सहायता की राशि का जिला-वार ब्यौरा क्या है; और

(ख) यह सहायता किस सरकारी संस्था के माध्यम से किसानों को दी जाती है ?

कृषि और सिंचाई मन्त्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) और (ख). उत्तर प्रदेश सरकार से जानकारी एकत्र की जा रही है और प्राप्त होने पर सभा पटल पर रख दी जाएगी।

भू-संरक्षण अनुसंधान प्रदर्शन और प्रशिक्षण केन्द्र, चतरा द्वारा पौद का वितरण

4714. **श्री दयाराम शाक्य** : क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भू-संरक्षण अनुसंधान, प्रदर्शन और प्रशिक्षण केन्द्र चतरा ने काजू और अनानास की पौद के वितरण पर 2.23 लाख रुपये खर्च किये थे।

(ख) यदि हां, तो किसानों और भूतपूर्व सैनिकों को वितरित पौध का राज्यवार ब्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या उक्त केन्द्र से अनानास काजू, नारियल आदि की पौध की सप्लाई के लिए व्यवस्था करने का विचार है ?

कृषि और सिंचाई मन्त्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं होता

(ग) केन्द्र द्वारा भारतीय दूतावास के चरान (नेपाल) स्थित वेतन एवं पेंशन के कार्यालय के माध्यम से भारतीय सेना के भूतपूर्व सैनिकों को तथा स्थानीय कुलकों को निशुल्क वितरण करने के लिए एक हजार रुपये के वार्षिक व्यय से केन्द्र की नर्सरी में काजू तथा अनानास के पौधों को उगाया जाता है ।

Supply of Text Books to Schools in Delhi

4715. SHRI JANARDHANA POOJARY:

SHRI SHANKARSINGHJI VAGHELA:

SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN:

SHRI MAHI LAL:

SHRI D. D. DESAI:

Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that NCERT has not been able to supply some of the text books to several schools in Delhi; and

(b) if so, the reasons therefor and steps taken to make available the books to the students?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER): (a) No, Sir. In fact NCERT does not supply its textbooks directly to the schools in Delhi. The textbooks are distributed in Delhi by NCERT's National Distributors, the Publications Division of the Ministry of Information and Broadcasting. All the textbooks required for the academic session 1978-79, have been supplied by the NCERT to its National Distributors who had made them available.

(b) Does not arise.

Discrimination in Food Subsidy

4716. SHRI JANARDHANA POOJARY: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been invited to the statement of the Chief Minister of Kerala and published in Patriot of 14th July, 1978, Centre is pursuing a policy of discrimination in regard to food subsidy; and

(b) if so, the reaction of the Government thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) The suggestion of the Kerala Chief Minister will be taken into consideration while formulating the procurement and price policy for the ensuing Kharif Marketing Season of 1978-79.